याकूब की पार-हस्त आशीष

- मुख्य रूप से एफ्रेम के लिए थी।
- एफ्रेम "गैर-यहूदियों की पूर्णता" बन जाएगा।
- अभी भी यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि इसका क्या अर्थ है।
- यह आशीष तब हुई जब यूसुफ अभी भी मिस्र में सत्ता में था।
- लगभग १७५० - १७०० ई.पू. के आसपास।

उत्पत्ति ४९

- बारह बटुकों में से प्रत्येक को अपनी-अपनी विशिष्ट "आशीष" दी जाएगी।
- परमेश्वर ने याकूब को नया नाम "इस्राएल" देकर इस्राएल की रचना की।
- इन व्यक्तिगत बटुकों के भविष्य की भविष्यवाणी की जाएगी।
- कुछ भविष्यवाणियाँ पूरी हो चुकी हैं, कुछ अभी पूरी होनी शेष हैं।
- याकूब की ये भविष्यवाणियाँ घटनाओं के बारे में नहीं, बल्कि उन बटुकों के समग्र स्वभाव और चरित्र के बारे में थीं।
- ये भविष्यवाणियाँ मूल बारह पुत्रों के नहीं, बल्कि उनके वंशजों के बारे में हैं।

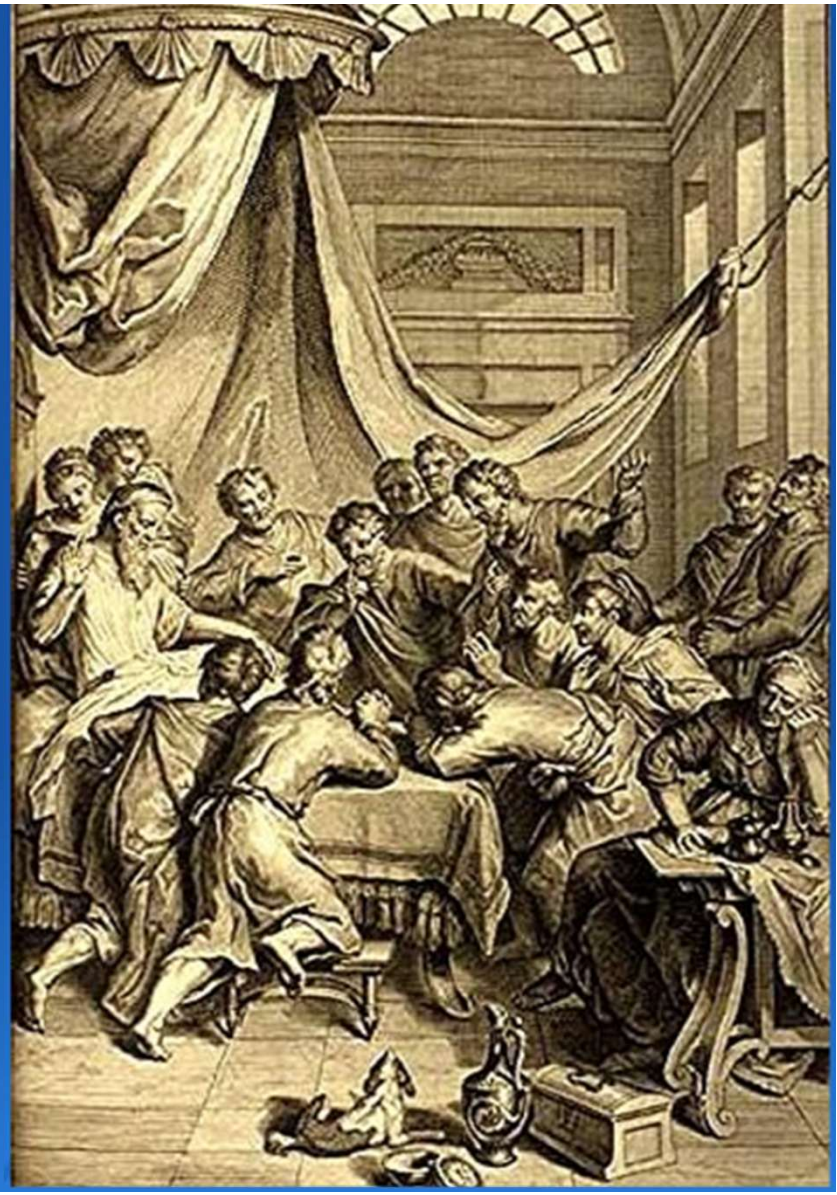

“वसीयत” का पठन

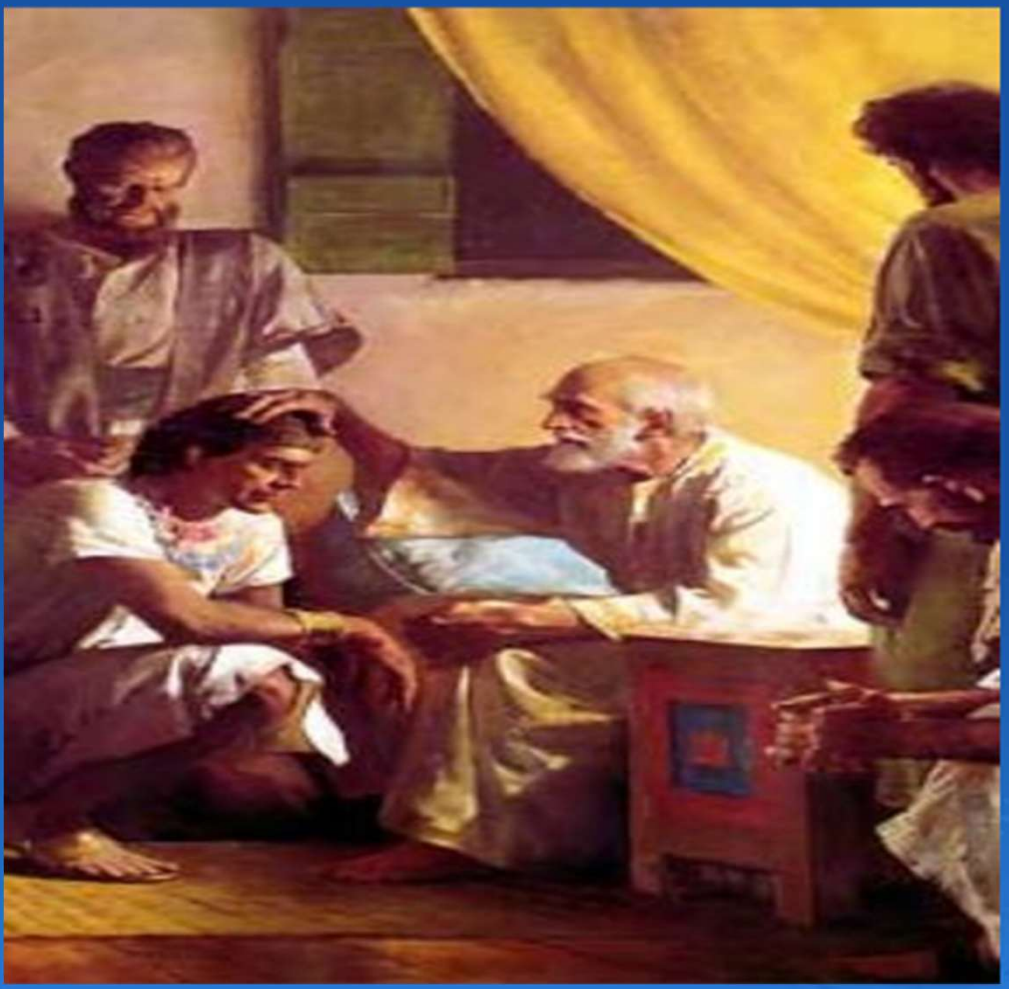

- पुत्र अपने-अपने भाग पाने के लिए उत्सुक थे।
- कठोर भावनाएँ उत्पन्न होंगी, क्योंकि विभाजन समान नहीं था।
- आशीष रूबेन से आरम्भ होती है, जो स्वाभाविक ज्येष्ठ पुत्र था।
- अचारित हा’यामिम = दिनों के अन्त में
- यह निर्गमन की ओर, अथवा अन्त के दिनों की ओर संकेत कर सकता है।
- इसमें आध्यात्मिक और शारीरिक दोनों प्रकार की अभिव्यक्तियाँ शामिल थीं।

रूबेन

- याकूब (इस्राएल) का स्वाभाविक ज्येष्ठ पुत्र।
- रूबेन अवश्य ही बहुत दुखी हुआ होगा जब उसे छोड़ दिया गया।
- "पानी के समान अस्थिर..."
- १ इतिहास ५
- उसने अपने पिता की खाट को अपवित्र किया।
- वह बिलहा के साथ सोया, जो याकूब की उपपत्नी थी।

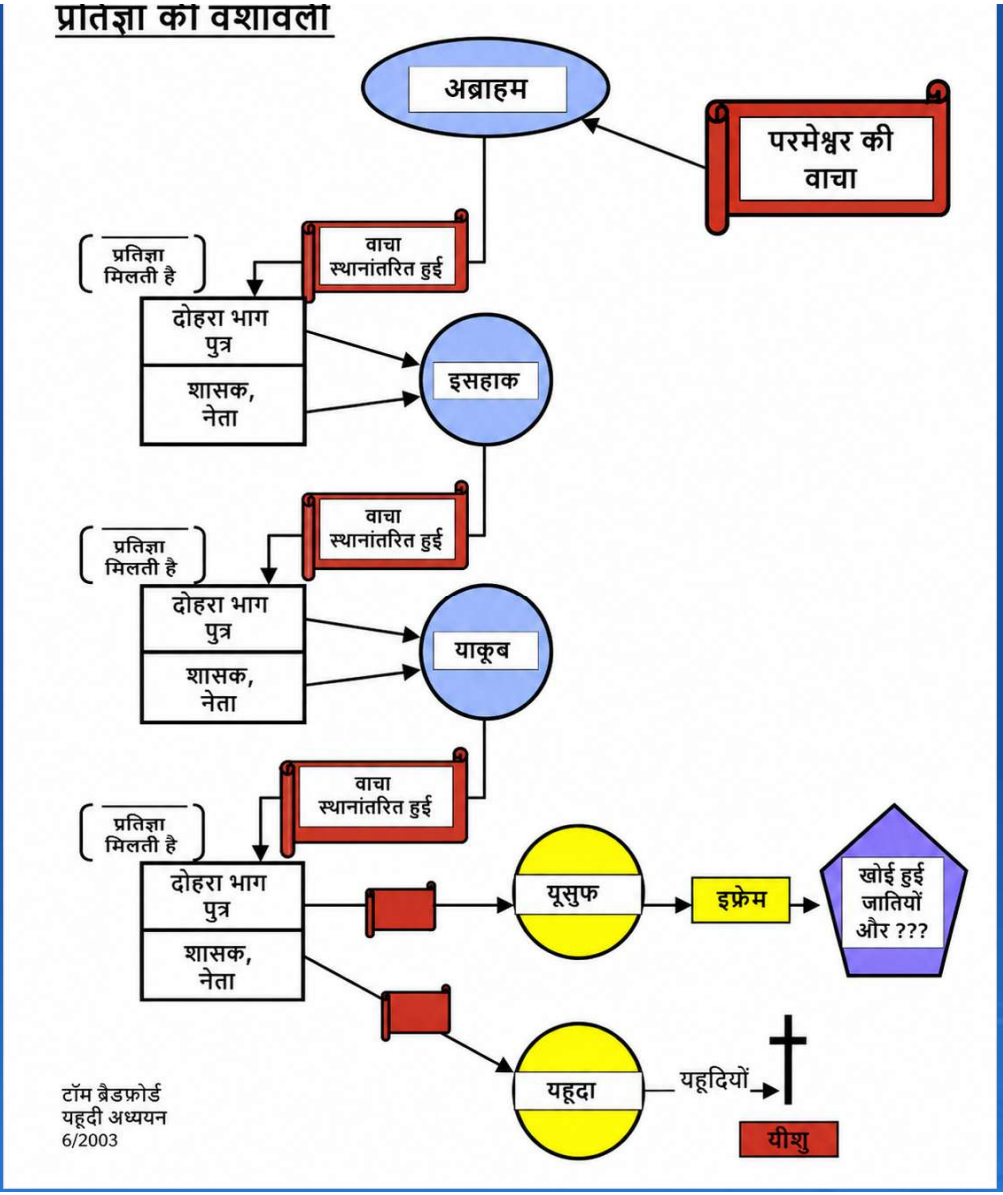

- ज्येष्ठ पुत्र की आशीष के दो अंग हैं
  १) दुगुना भाग
  २) शासन करने का अधिकार

- याकूब आशीष को दो भागों में बाँट देता है, और एक भाग यहूदा को, तथा दूसरा भाग यूसुफ को एफ्रेम के द्वारा देता है।

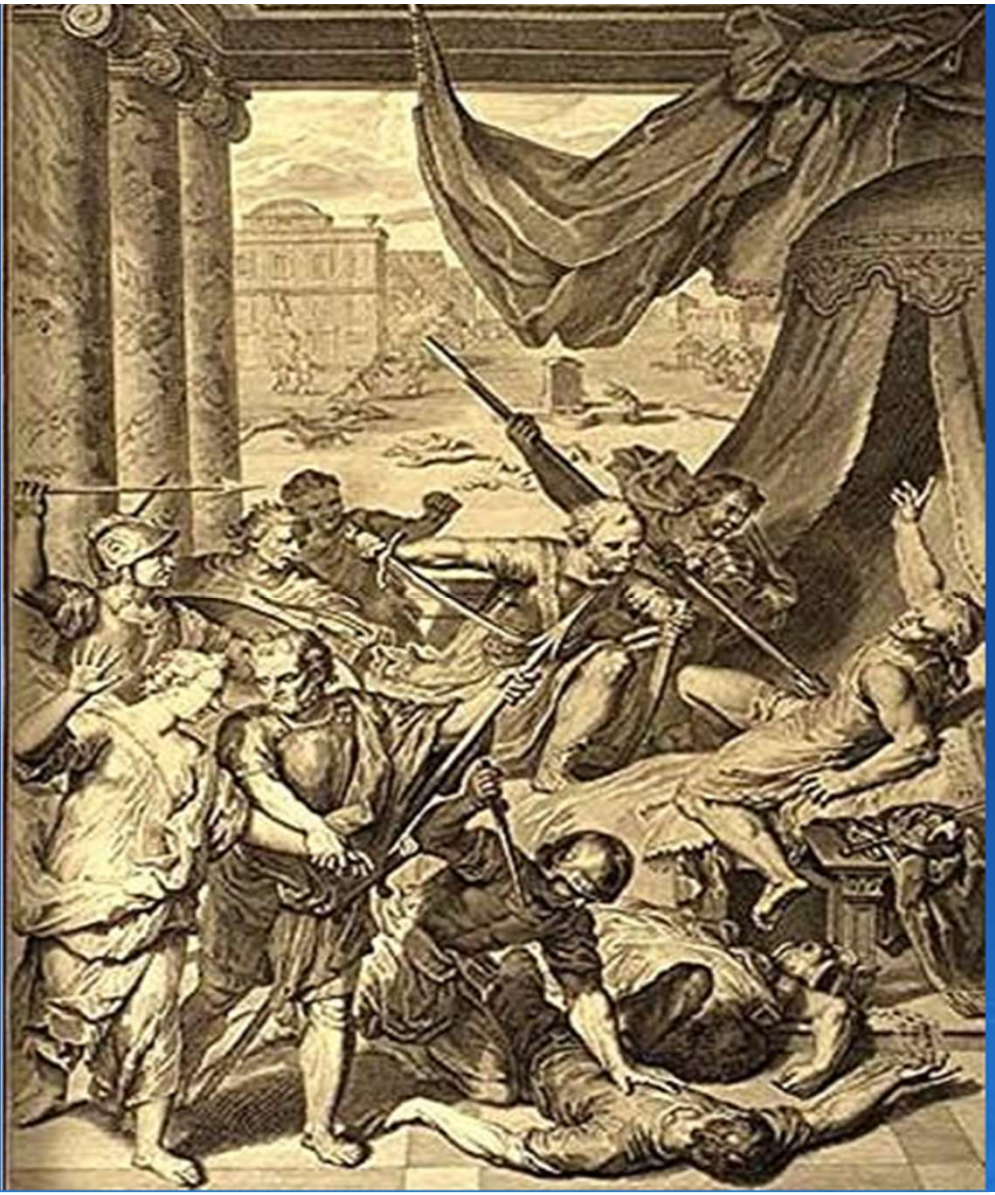

शिमोन और लेवी

- शिमोन और लेवी भी छोड़ दिए गए।
- वे हिंसा में भाई-भाई थे।
- इन दोनों भाइयों ने असहाय शकेम पर आक्रमण का नेतृत्व किया।
- याकूब ने भविष्यवाणी की कि वे विभाजित और बिखेर दिए जाएँगे।

ज्येष्ठ पुत्र की आशीष

- दुगुना भाग, ज्येष्ठाधिकार और ज्येष्ठ पुत्र की आशीष – ये सब एक-दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं।
- वास्तव में "दुगुना भाग" समग्र ज्येष्ठ पुत्र की आशीष का केवल एक भाग था।
- इतिहास के लेखक ने पूर्ण रूप से नहीं समझा कि याकूब ने ज्येष्ठ पुत्र की आशीष को दो पुत्रों में क्यों बाँट दिया।
- यह एक पूर्णतः अनोखी घटना थी।
- रूबेन के वंशजों में कोई सैन्य नेता, राजा, नबी या न्यायी उत्पन्न नहीं हुआ।
- रूबेन की बटुक प्रतिज्ञात भूमि में प्रवेश नहीं करती, वह यर्दन के पूर्व की ओर ही रह गई।
- रूबेन की जनसंख्या में भारी गिरावट आई।

शिमोन

- गिनती २६ तक शिमोन सबसे छोटी बटुक बन गई।
- सिनाई पर्वत से केवल चालीस वर्ष बाद उसकी जनसंख्या पचास प्रतिशत घट गई।
- शिमोन को वह भू-भाग दिया गया जो यहूदा से घिरा हुआ था।
- अधिकांशतः शुष्क मरुभूमि थी।
- सम्भवतः यह पहली बटुक थी जो अन्य इस्राएली बटुकों में पूरी तरह आत्मसात् हो गई।

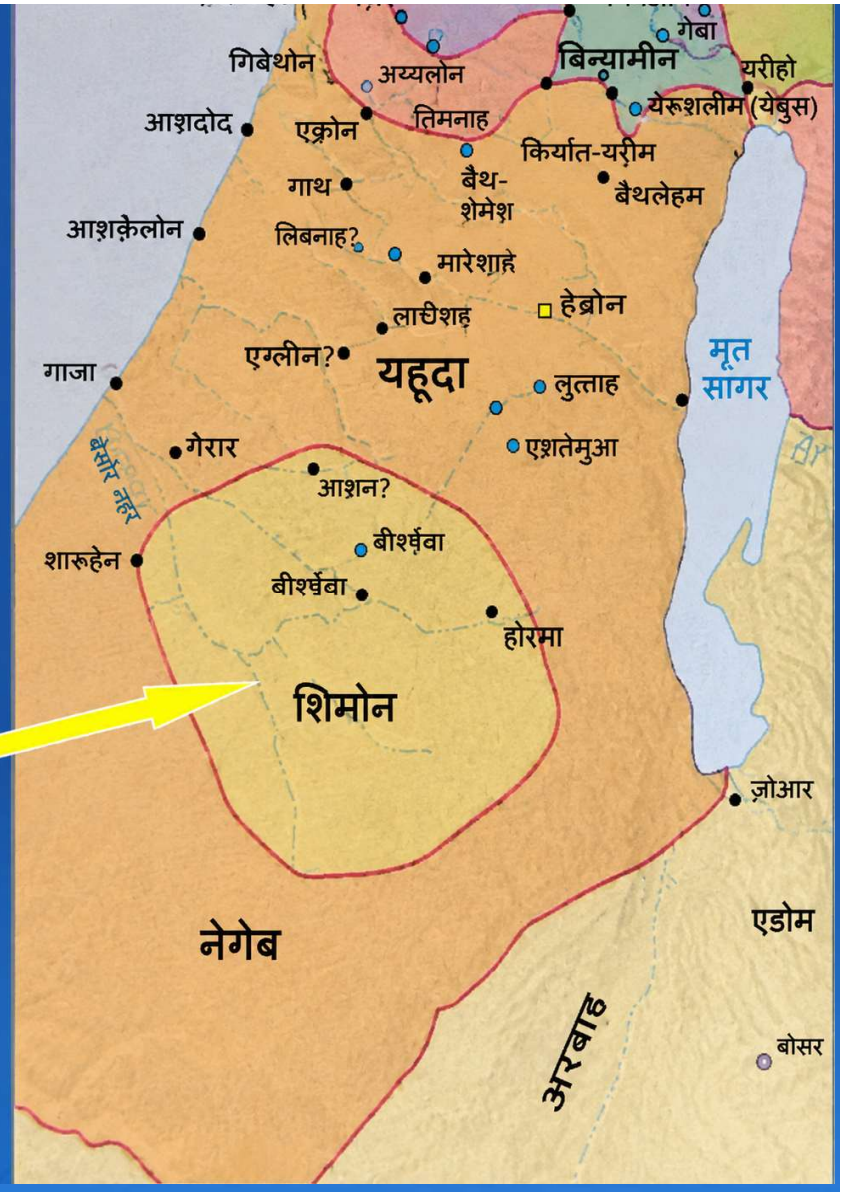

लेवी

- लेवी का भाग्य शिमोन जितना विनाशकारी नहीं था।
- उसे बारह बटुकी क्षेत्रों के भीतर अड़तालीस नगर दिए गए।
- "मैं उन्हें याकूब में विभाजित करूँगा, और इस्राएल में बिखेर दूँगा।"
- लेवी को अलग करके एक विशेष याजकीय बटुक बना दिया गया।
- शिमोन अन्य बटुकों में बिखेर दिया गया।
- पहले तीन भाई (रूबेन, शिमोन, लेवी) छोड़ दिए गए।

यहूदा

- यहाँ यहूदा को ज्येष्ठ पुत्र की आशीष प्राप्त होती है।
- वास्तव में, उसे केवल उसका एक भाग ही मिलता है।
- यहूदा को शासन करने का अधिकार मिलता है, परन्तु धन का दुगुना भाग नहीं दिया जाता।
- यहूदा का अर्थ है "स्तुति"।
- राजा दाऊद यहूदा की बटुक से आया, और यीशु राजा दाऊद की वंशावली से आया।

जब तक शिलोह न आए

- "शिलोह" शब्द तनाख के सबसे प्राचीन हिब्रू और यूनानी दस्तावेज़ों में आता है।
- शिलोह एफ्रेम के अधिकार वाले क्षेत्र में एक नगर और भू-भाग बन जाएगा।

- शिलोह इस्राएल का प्रथम "पवित्र" नगर था।
- बहुत से अनुवाद "शिलोह" को "जिसकी आज्ञाकारिता है" बना देते हैं।
- यह एक गलत वर्तनी की धारणा पर आधारित है (सीन के स्थान पर शीन)।

- ऐसा नहीं है।
- शिलोह पुराने नियम में मसीहा का नाम प्रतीत होता है।
- प्राचीन रब्बी सहमत हैं कि शिलोह मसीहा से सम्बन्धित है।

यहूदी मसीहा

- बहुत से यहूदी मानते हैं कि दो मसीहा होंगे (एक येहूदा की बटुक से, दूसरा यूसुफ की बटुक से)।
- समस्या यह है कि वे कहते हैं कि वह अभी तक नहीं आया, तो वे वंशावली से कैसे सिद्ध करेंगे कि वह सच्चा मसीहा है?
- अभिलेखों का घर ७० ईस्वी में नष्ट हो गया।